Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to abolish GST on pulses and rice.

श्री मितेष पटेल (बकाभाई) (आनंद):हमारे देश में लगभग 80 प्रतिशत से भी अधिक लोग शाकाहारी भोजन करते हैं और शाकाहारी भोजन में जो सबसे अधिक वस्तु का उपयोग होता है वह है दाल और चावल । यह भी किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में अधिसंख्यक लोग गरीबी रेखा के नीचे अपना जीवन यापन करते हैं और उनका मुख्य भोजन दाल और चावल होता है । यदि दाल और चावल का मूल्य उसकी कृय क्षमता से बढ़ जाता है तो उनको अविश्वसनीय खराब क्वालिटी की दाल और चावल खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है तथा हमारी सरकार द्वारा दाल और चावल पर 5 प्रतिशत जी.एस.टी. थोपने के कारण दाल और चावल काफी मंहगे हो गए हैं । फलस्वरूप आम आदमी अपने रूचि का दाल चावल नहीं खरीद पा रहे हैं । जी.एस.टी. कौंसिल ने निर्णय लेकर मांस, हीरे, चीनी, डेरी उत्पाद, आदि पर जी0एस0टी0 कम कर दिया है । वह खुशी की बात है किन्तु इसका । लाभ अमीरों को होता है, न की गरीब आम जनता को होता है । 5 प्रतिशत जीएसटी ब्रांडेड का लाभ अमीरों को ही मिलता है । वही ब्रांडेड खरीद पाते हैं । अच्छी क्वालिटी की दाल और चावल गरीब लोग खरीद नहीं पा रहे हैं ।

अतः मैं माननीया वित्त मंत्री से मांग करता हूं कि आम आदमी और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर दाल और चावल से जी.एस.टी. अविलम्ब समाप्त करने का कष्ट करें ताकि देश की आम जनता और किसानों का भला हो सके ।